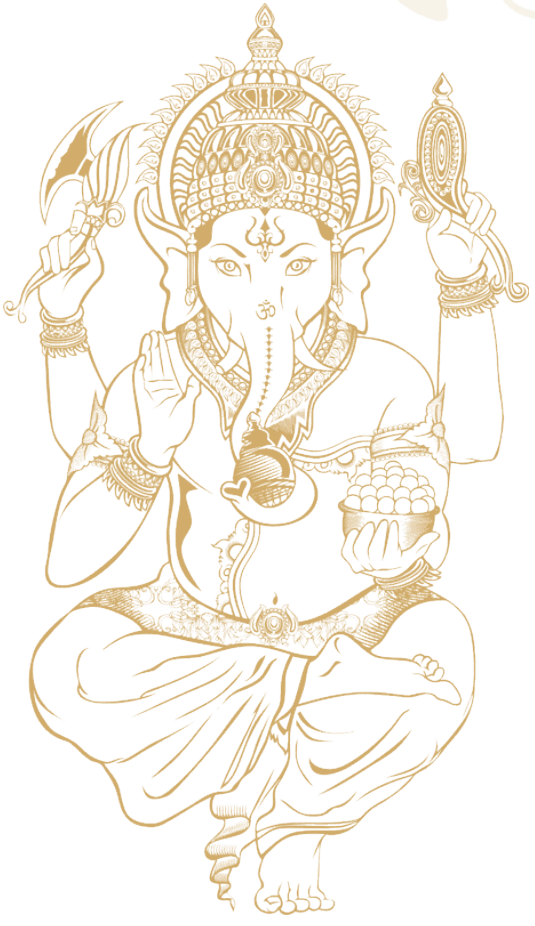

Mr.bu kailashji

05 Aug 2025

11:31 AM

Nagaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119024602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/08/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:31:00 घंटे**
इष्ट	13:44:41 घटी
स्थान	**Nagaur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:12:00 उत्तर
रेखांश	73:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:35:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:55:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:01 घंटे
साम्पातिक काल	07:52:07 घंटे
सूर्योदय	06:01:07 घंटे
सूर्यास्त	19:20:27 घंटे
दिनमान	13:19:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:52:31 कर्क
लग्न के अंश	00:38:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:38:38	317:06:50	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			कर्क	18:52:31	00:57:27	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	00:04:15	12:21:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	04:42:47	00:37:14	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कर्क	11:54:39	00:34:19	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	18:23:58	00:12:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	11:41:07	01:09:51	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मीन	07:16:39	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:41:18	00:05:04	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:41:18	00:05:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:49:23	00:01:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:42:14	00:00:57	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:07:02	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	01:49:06	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:56

लग्न-चलित

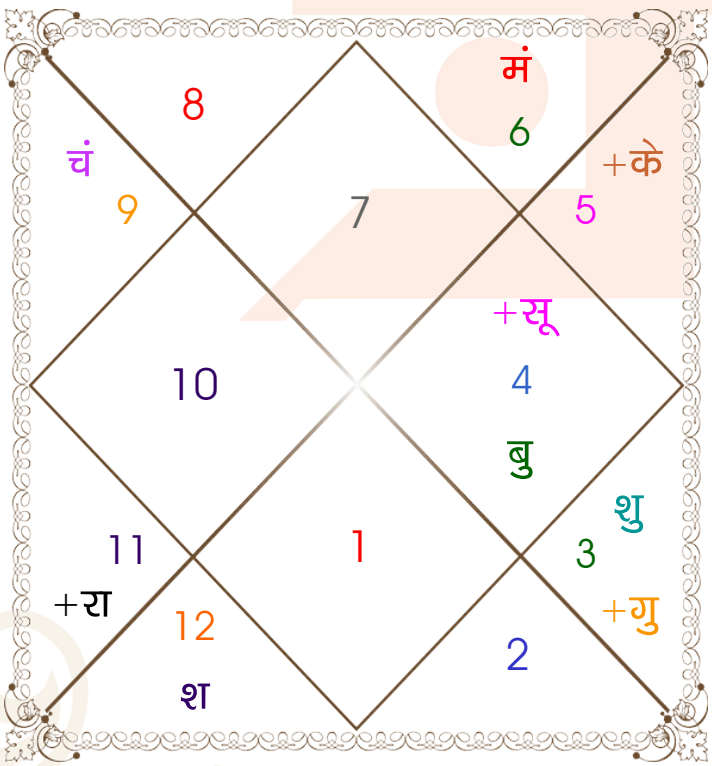

चन्द्र कुंडली

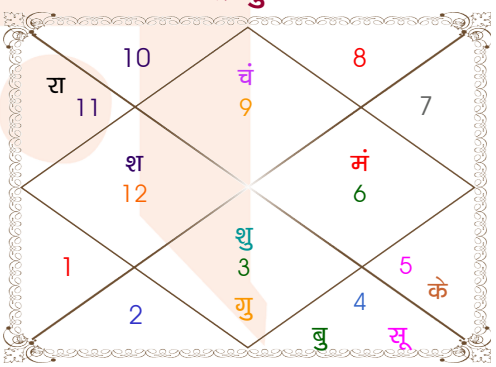

नवमांश कुंडली

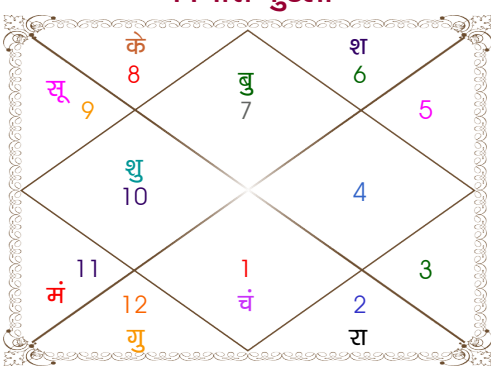

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/08/2025		22/07/2032		22/07/2052		23/07/2058		22/07/2068	
22/07/2032		22/07/2052		23/07/2058		22/07/2068		23/07/2075	
केतु	19/12/2025	शुक्र	22/11/2035	सूर्य	09/11/2052	चंद्र	23/05/2059	मंगल	18/12/2068
शुक्र	18/02/2027	सूर्य	21/11/2036	चंद्र	10/05/2053	मंगल	22/12/2059	राहु	06/01/2070
सूर्य	26/06/2027	चंद्र	23/07/2038	मंगल	15/09/2053	राहु	22/06/2061	गुरु	13/12/2070
चंद्र	25/01/2028	मंगल	22/09/2039	राहु	10/08/2054	गुरु	22/10/2062	शनि	22/01/2072
मंगल	22/06/2028	राहु	22/09/2042	गुरु	29/05/2055	शनि	22/05/2064	बुध	18/01/2073
राहु	10/07/2029	गुरु	23/05/2045	शनि	10/05/2056	बुध	22/10/2065	केतु	16/06/2073
गुरु	16/06/2030	शनि	22/07/2048	बुध	17/03/2057	केतु	23/05/2066	शुक्र	16/08/2074
शनि	26/07/2031	बुध	23/05/2051	केतु	22/07/2057	शुक्र	22/01/2068	सूर्य	22/12/2074
बुध	22/07/2032	केतु	22/07/2052	शुक्र	23/07/2058	सूर्य	22/07/2068	चंद्र	23/07/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/07/2075		22/07/2093		23/07/2109		23/07/2128		23/07/2145	
22/07/2093		23/07/2109		23/07/2128		23/07/2145		00/00/0000	
राहु	04/04/2078	गुरु	10/09/2095	शनि	26/07/2112	बुध	20/12/2130	केतु	06/08/2145
गुरु	28/08/2080	शनि	23/03/2098	बुध	05/04/2115	केतु	17/12/2131		00/00/0000
शनि	05/07/2083	बुध	29/06/2100	केतु	14/05/2116	शुक्र	17/10/2134		00/00/0000
बुध	21/01/2086	केतु	05/06/2101	शुक्र	15/07/2119	सूर्य	23/08/2135		00/00/0000
केतु	09/02/2087	शुक्र	04/02/2104	सूर्य	26/06/2120	चंद्र	22/01/2137		00/00/0000
शुक्र	08/02/2090	सूर्य	22/11/2104	चंद्र	25/01/2122	मंगल	19/01/2138		00/00/0000
सूर्य	03/01/2091	चंद्र	24/03/2106	मंगल	06/03/2123	राहु	07/08/2140		00/00/0000
चंद्र	04/07/2092	मंगल	28/02/2107	राहु	10/01/2126	गुरु	13/11/2142		00/00/0000
मंगल	22/07/2093	राहु	23/07/2109	गुरु	23/07/2128	शनि	23/07/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।